कृषि विज्ञान केन्द्र

गांधी विद्या मंदिर सरदारशहर- चूरू (राज.)

ई–न्यूज लेटर

अंक 1 मई, 2024

संरक्षक: श्रीमान हिमांशु दूगड़, अध्यक्ष गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर, चूरू (राजस्थान) मार्गदर्शक : डॉ. जे.पी. मिश्र, निदेशक, ICAR-अटारी, जोधपुर

केन्द्र द्वारा पोषाहार वाटिका प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा निकरा परियोजना अन्तर्गत चयनित गांव मीतासर में दिनांक 4 अप्रेल 2024 को कृषक महिलाओं को प्रशिक्षण के दौरान पोषाहार वाटिका के महत्त्व, क्यारी निर्माण, उन्नत किस्म के बीजों के चयन एवं बुवाई विधि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई । प्रशिक्षण के अन्तर्गत केन्द्र की गृह विज्ञान विशेषज्ञ डॉ. रमन जोधा ने प्रत्येक घर सब्जी उत्पादन के उदेश्य से पोषाहार वाटिका का संतुलित भोजन एवं पोषण के महत्त्व, पर प्रकाश डालते हुए आह्वान किया कि प्रत्येक महिला अपने घर पर रसायन एवं जहर मुक्त सब्जियों का उत्पादन एवं उपयोग कर परिवार के स्वास्थ्य को उत्तम बना सकती है एवं घरेलू पोषण सुरक्षा को बढा सकती है । प्रशिक्षण उपरान्त 100 कृषक महिलाओं को जायद सीजन में लगने वाले बीज (लॉकी, तुरई, भिंडी), बैंगन की पौध एवं सहजन के पौधे प्रदर्शन के रूप में उपलब्ध करवाये गये ।

हरा चारा उत्पादन तकनीक पर दो दिवसीय संस्थागत प्रशिक्षण का अयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा ''हरा चारा (चरी बाजरा) उत्पादन तकनीक'' विषय पर दिनांक 5 से 6 अप्रेल को दो दिवसीय संस्थागत आवासीय प्रशिक्षण का आयोजन अनुसूचित जाति उप–योजना के अन्तर्गत के.वी.के. परिसर में किया गया । प्रशिक्षण के दौरान कार्यक्रम समन्वयक श्री हरीश कुमार रछौया ने किसानों को चरी बाजरा के उपयोग, महत्त्व, बुवाई के समय तथा उपयुक्त किस्मों पर किये जा रहे अनुसंधान प्रयोग आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी । इस प्रशिक्षण में सरदारशहर तहसील कि 12 महिला कृषकों सहित कुल 21 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया । केन्द्र के पशुपालन विशेषज्ञ श्री श्याम बिहारी ने हरे चारे के पोषण मूल्य तथा पशुओं हेतु इसकी उपयोगिता विषय पर प्रशिक्षणार्थियों का ज्ञानवर्धन किया । इस अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को केन्द्र की विभिन्न इकाईयों वर्मीकम्पोस्ट, नर्सरी, हरा चारा एवं नेपियर ईकाई का भ्रमण भी कराया गया ।

समस्याग्रस्त मृदाओं की पहचान एवं प्रबंधन हेतु प्रशिक्षण आयोजित किया गया

कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा 'समस्याग्रस्त मृदाओं की पहचान एवं प्रबंधन विषय पर दिनांक 5से 6 अप्रेल को दो दिवसीय संस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन परिसर हाल में किया गया । इस कार्यक्रम के दौरान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. विनोद कुमार सैनी ने अनुत्पादक या कम उपजाउ भूमि की उर्वरकता बहाल करने और खेती के लिए उपयुक्त बनाने के लिए उचित भूमि–सुधार तकनीकों के बारे में किसानों को विस्तृत जानकारी दी । इसके साथ ही लवणीय व क्षारीय भूमि में फसल प्रबंधन हेतु अपनाये जाने वाले विभिन्न पोषक तत्वों की अनुप्रयोग विधि, मृदा परीक्षण, नमूने लेने की विधि तथा परीक्षण परिणामों के आधार पर मिट्टी में पोषक तत्वों के उपयोग की जानकारी भी दी गई । इस अवसर पर केन्द्र पर स्थापित मृदा एवं जल परीक्षण प्रयोगशाला का प्रशिक्षणार्थियों को भ्रमण कराया गया । कार्यक्रम के दौरान सस्य विज्ञान विशेषज्ञ ने मृदा सरंक्षण के लिए कवर फसलों का प्रयोग करने, कार्बनिक खादों एवं जैविक खादों के प्रयोग तथा ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई की विधियों के बारे में कृषकों को बताया ।

धात्री माताओं एवं किशोर बालिकाओं हेतु उच्च प्रोटीन आहार प्रशिक्षण कार्यक्रम

केन्द्र द्वारा ''धात्री माताओं एवं किशोर लडकियों हेतु उच्च प्रोटीन आहार'' विषय पर एक दिवसीय असंस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन दिनांक 6 अप्रेल 2024 को ग्राम बरलाजसर में किया गया, जिसमें 31 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया । प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. रमन जोधा ने धात्री माताओं एवं युवतियों हेतु प्रोटीन की पोषण में उपयोगिता, दालों एवं सांबुत अनाज से बने विभिन्न व्यंजन एवं अंकुरित अनाजों से बनने वाले विभिन्न व्यंजनों की जानकारी दी तथा प्रत्येक घर में पोषाहार वाटिका में हरी पत्तेदार सब्जियों एवं फलों को लगाने हेतु प्रेरित किया ।

पशुपालकों हेतु डेयरी पशुओं के खान–पान प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन ।

केन्द्र द्वारा अनुसूचित जाति उप–योजना के अन्तर्गत पशुपालकों हेतु डेयरी पशुओं के खान–पान प्रबंधन विषय पर दिनांक 8 से 9 अपेल को दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया । प्रशिक्षण के दौरान पशुपालन विशेषज्ञ श्री श्याम बिहारी ने ग्रीष्म ऋतु में पशुओं के रख–रखाव, मिनरल मिक्चर के उपयोग तथा संतुलित आहार बनाने के बारे में विस्तृत जानकारी दी । इस दौरान प्रशिक्षणार्थियों को स्वच्छ दूध उत्पादन तकनीक के बारे में भी बताया गया । प्रशिक्षण में सरदारशहर तहसील के 21 पशुपालकों ने भाग लिया ।

भूमि सुधारक हेतू हरी खाद(ढैंचा) एक प्राकृतिक विकल्प पर एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन

केन्द्र द्वारा निकरा परियोजना अन्तर्गत ग्राम मीतासर में दिनांक 10 अप्रेल को भूमि सुधारक हेतु हरी खाद (ढैंचा) एक प्राकृतिक विकल्प विषय पर अंसस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन पंचायत परिसर में किया गया जिसमें गांव के 22 जागरूक कृषकों ने हिस्सा लिया । इस अवसर पर केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. वी.के.सैनी ने किसानों को हरी खाद प्रयोग विधि एवं लाभों की विस्तृत जानकारी दी । उन्होंने बताया कि प्राकृतिक संसाधन (मृदा) के संरक्षित उपयोग एवं पोषक तत्वों की पूर्ति के लिए मृदा की जलधारण क्षमता एवं सुक्ष्मजीवों की क्रियाशीलता बढाने हेतु हरी खाद अति आवश्यक है । केन्द्र के सस्य विशेषज्ञ ने हरी खाद के उन्नत किस्म के बीज, बुवाई का समय तथा बुवाई की विधि के बारे में संपूर्ण जानकारी दी । प्रशिक्षण कार्यक्रम के उपरान्त 20 कृषकों को हरी खाद प्रदर्शन हेतु ढैंचा के उन्नत बीज प्रदान किये गये ।

खरीफ फसलों में एकीकृत कीट प्रबंधन विषय अन्तर्गत संस्थागत प्रशिक्षण कार्यक्रम

कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा खरीफ फसलों में एकीकृत कीट प्रबंधन विषय अन्तर्गत दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण का आयोजन दिनांक 16 से 17 अप्रेल को किया गया । इस प्रशिक्षण के अन्तर्गत केन्द्र के पौध सरंक्षण विषय विशेषज्ञ श्री मुकेश शर्मा ने एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन हेतु यांत्रिक, जैविक एवं रासायनिक नियंत्रणों के क्रमानुसार प्रयोग के बारे में विस्तारपूर्वक बताया तथा मूंग, मोठ, बाजरा एवं कपास फसल में लगने वाले विभिन्न कीटों की रोकथाम हेतु अपनाई जाने वाली विधियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी । बतौर प्रशिक्षणार्थी गांव शिमला, हुडेरा, एवं भोलूसर के 20 कृषकों ने भाग लिया ।

मृदा नमी सूचक यंत्र के महत्व विषय पर संस्थागत प्रशिक्षण आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र परिसर पर दिनांक 16 से 17 अप्रेल 2024 को गांव सावर, पुनुसर एवं हुडेरा के प्रगतिशील कृषकों हेतु मृदा नमी सूचक यंत्र के महत्व विषय पर संस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन हुआ । प्रशिक्षण दौरान कृषकों को नमी सूचक यंत्र के महत्व एवं उपयोग विधि का प्रायोगिक कार्य करवाया गया । प्रशिक्षण दौरान वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. विनोद कुमार सैनी ने बताया कि मृदा नमी सूचक यंत्र से फसल में सिंचाई की आवश्यकता का आंकलन आसानी से किया जा सकता है एवं कृषक फसल की आवश्यकतानुसार सिंचाई करके सिंचाई जल की बचत भी कर पायेगें एवं प्रति बूंद अधिक पैदावार (**Per drop more crop**) प्राप्त कर सकेगें ।

देशी डिप्लोमा (DAESI)

बतौर नोडल ट्रेनिंग इन्सटीट्यूट कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर द्वारा जिले के कृषि आदान विक्रेताओं हेतु केन्द्र के सभागार कक्ष में देशी डिप्लोमा (**DAESI**) की नियमित क्लासेज लगाई गई, जिसमें विभिन्न विभागों के विशेषज्ञों ने डिप्लोमा के विषयों कृषि प्रसार विधियॉ, पादप पोषक तत्वों का वर्गीकरण, कृषि ऋण एवं किसान केडिट कार्ड योजना, एकीकृत कीट प्रबंधन, खरीफ तिलहन उत्पादन तकनीक एवं फसल विविधीकरण पर व्याख्यान दिया ।

अवलोकन

आईएएसई (**IASE**) मानित विश्वविद्यालय के सम–कुलाधिपति (**Pro-Chancellor**) प्रो. देवेन्द्र मोहन द्वारा दिनांक 29 अप्रेल को कृषि विज्ञान केन्द्र की गतिविधियों एवं विभिन्न ईकाईयों (वर्मी कम्पोस्ट, मिट्टी एवं जल परीक्षण प्रयोगशाला) इत्यादि का अवलोकन एवं भ्रमण किया ।

क्षैत्रीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति की बैठक

जर्क खरीफ 2023 की बैठक का आयोजन दिनांक 25 से 26 अप्रेल को कृषि अनुसंधान केन्द्र, स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकोनर में किया गया । इसमें केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. वी.के.सैनी ने कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर द्वारा आयोजित प्रदर्शनों एवं अनुसंधान के परिणामों से संबंधित प्रगति प्रतिवेदन व खरीफ 2024 की कार्ययोजना को प्रस्तुत किया । जिसका **ZREAC** के सभी सदस्यों ने अनुमोदन किया ।

संकलनकर्ता	संपादक	प्रकाशक
1.श्री मुकेश शर्मा (पौध सरंक्षण विशेषज्ञ)	डॉ. रमन जोधा	डॉ. वी. के. सैनी
2.श्री हरीशकुमार रछौया (फसल उत्पादन विशेषज्ञ)	विषय वस्तु विशेषज्ञ (गृह विज्ञान)	वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख
3.श्री श्याम बिहारी (पशुपालन विशेषज्ञ)	Designed & Typed by	कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर,चूरू–I
4.श्री अजय कुमावत (बागवानी विशेषज्ञ)	1.श्री सुनील कुमार वी.वी., स्टैनो	
5. रमेश चौधरी (वरिष्ठ अनुसन्धान अध्येता-NICRA)	2.श्री ओ.पी.शर्मा, टाइपिस्ट	